कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

परीक्षा 2013

एम.ए.राजस्थानी

एम.ए.राजस्थानी के पूर्वार्द्ध एवं उतरार्द्ध में कुल 09 प्रश्न पत्र होगें जिनमें चार प्रश्न पत्र पूर्वार्द्ध में और पांच प्रश्न पत्र उतरार्द्ध में होगें ।

सभी प्रश्न पत्र 100 अंको के होगे । प्रश्न पत्रों की समयावधि 3 घंटे होगी ।

नोट : समस्त प्रश्न पत्रों के उतर का माध्यम राजस्थानी भाषा होगी ।

एम.ए.पूर्वार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी काव्य

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी गद्य

तृतीय प्रश्न पत्र : राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का इतिहास

चतुर्थ प्रश्न पत्र : राजस्थानी लोक साहित्य एवं संत साहित्य

एम.ए.उतरार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र : मध्यकालीन एवं प्राचीन काव्य

द्वितीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन एवं प्राचीन गद्य

तृतीय प्रश्न पत्र : काव्य शास्त्र एवं पाठालोचन

चतुर्थ प्रश्न पत्र : विशिष्ट साहित्यकार (1) ईसरदास (2) महाराजा चतुरसिंह (3) जनकवि गणेशलाल व्यास-उस्ताद (कोई एक विकल्प)

पंचम प्रश्न पत्र : निबंध/लधु शोध प्रबंध/पाठ संपादन (कोई एक विकल्प)

एम.ए.पूर्वार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी काव्य

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होगें :-

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उतर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उतर देने होगे । प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णात्मक होगें (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयो में से दिए जावेगे, किन्तु एक इ काई में एक से अधिक प्रश्न नही होगा । दो प्रश्नों के उतर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

अध्ययन क्षेत्र

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन
2. आधुनिक काल की प्रारंभिक महत्वपूर्ण रचनाओं का विस्तृत अध्ययन
3. भातृ भाषा एवं शिल्प के बदलतें स्वरूप के आधार पर आधुनिक रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ।

पाठ्यापुस्तकें

1. वीर सतसई: सूर्यमल्ल मीसण 2. बादठी : चन्द्रसिंह
3. राधा: सत्यप्रकाश जोशी 4. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया ।

अंक योजना

व्याख्य- चारों पाठ्यपुस्तकों में से 9 x 4 = 36 **अंक**

आलोचनात्मक प्रश्न : चारों पाठ्यपुस्तकों में से 16 x 4 = 64 **अंक**

प्रथम इकाई

चारों पाठ्यपुस्तकों में से एक -एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा। (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होगे) 36 अंक

द्वितीय इकाई

वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

तृतीय इकाई

बादळी : चन्द्रसिंह : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

चतुर्थ इकाई

राधा : सत्यप्रकाश जोशी : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

पंचम इकाई

लीलटांस : कन्हेयालाल सेठिया: आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

पाठ्यपुस्तकें

1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मिश्रण, (सं.) पतराम गौड, ईश्वरदान आशिया, कन्हैयालाल सहल प्रकाशक : बंगाल हिन्दी मण्डल, कलकता ।
2. बादळी : चन्द्रसिंह, चांद जठेरी प्रकाशन,जयपुर ।
3. राधा : सत्यप्रकाश जोशी, राजस्थानीग्रथागार,जोधपुर ।
4. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया, कलकता ।

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. परम्परा : सूर्यमल्ल मीसण विशेषांक, हेमाणी' अंक तथा 'आधुनिक राजस्थानी कविता' प्रकाशक: राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर ।
2. वीर सतसई : डॉ. शम्भूसिंह मनोहर,स्टूडेण्ट्स बुक कम्पनी, चौडा रास्ता, जयपुर ।
3.

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थान गद्य

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक: 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होगे :-

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होगें । प्रत्येक लघु प्रश्न का उतर लगभग 20 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुऐ । कुल 10 प्रश्न होगें । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 10 प्रश्न होगें । प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णात्मक होगें (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयो में से दिए जावेगे, किन्तु एक इकाई में एक से अधिक प्रश्न नही होगा । दो प्रश्नों के उतर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

अध्ययन क्षेत्र

1. आधुनिक राजस्थान गद्य परपर का अध्ययन ।
2. आधुनिक राजस्थान की महत्वपूर्ण रचनाओं का अध्ययन ।
3. आधुनिक गद्य विधाओं में निबन्ध एवं कथा साहित्य का विशिष्ट अध्ययन ।

पाठ्य पुस्तकें

बुगचो	: मुलदान देपावत
राजस्थानी निबंध संग्रह	: चन्द्रसिंह
आज री राजस्थानी कहाणियाँ	: रावत सारस्वत
मांझळ रात	: लक्ष्मीकुमारी चंडावत ।

अंक योजना

व्याख्या -	9 x 4 = 36 **अंक**
आलोचनात्मक प्रश्न	16 x 4 = 64 **अंक**

प्रथम इकाई

चारों पुस्तकों में से एक-एक सप्रंग व्याख्या पुछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा । (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होगें) 9 x 4 = 36 **अंक**

द्वितीय इकाई

बुगचो : मुलदान देपावत 16 अंक

तृतीय इकाई

राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिहं 16 अंक

चतुर्थ इकाई

आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत 16 अंक

पंचम इकाई

मांझळ रात : लक्ष्मीकुमारी चूंडावत 16 अंक

पाठ्यपुस्तकें

1. बुगचो : मुलदान देपावत, सांखला प्रिन्टर्स, बीकानेर
2. राजस्थानी निबंध संग्रह: चन्द्रसिंह राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर
3. आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत साहित्य अकादमी नई दिल्ली (पाठ्यक्रम में कहानी सं. 3, 4, 10, 12, 16, 18, 22, 24, 27, 28)
4. मांझळ रात : लक्ष्मीकुमारी चुंडावत, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर ।

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृतियाँ
   डॉ. किरण नाहटा प्रकाशक: चिन्मय प्रकाशन, जयपुर।

तृतीय प्रश्न पत्र : राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होगे :-

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होगें । प्रत्येक लघु प्रश्न का उतर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुऐ । कुल 10 प्रश्न होगें । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नो के उतर देने होगें । प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक: 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णात्मक होगें (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयो में से दिए जावेगे, किन्तु एक इकाई में एक से अधिक प्रश्न नही होगा । दो प्रश्नों के उतर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

अध्ययन क्षेत्र

1. भाषा एवं लिपि के विकास की परमपरा और सामान्य सिद्वान्त
2. राजस्थानी भाषा के उद्भव और विकास परंपरा का विशिष्ट अध्ययन
3. राजस्थानी लिपि - मुडिया लिपि की जानकारी

4. राजस्थानी साहित्य की युगीन परंपरा का अध्ययन : कालक्रम के अनुसार एवं काव्य परंपरा - धाराओं के अनुसार

नोट :- इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नही किया गया है ।

20 x 5 = 100 **अंक**

अंक योजना

प्रथम इकाई

भाषा एवं लिपि सामान्य सिद्धान्त - एक प्रश्न - आंतरिक विकल्प सहित 20 अंक

द्वितीय इकाई

राजस्थानी भाषा:उद्भव एवं विकास -एक प्रश्न- आंतरिक विकल्प सहित 20 अंक

तृतीय इकाई

राजस्थानी साहित्य : आदिकाल - एक प्रथन - आंतरिक विकल्प सहित 20 अंक

चतुर्थ इकाई

राजस्थानी साहित्य : मध्यकाल - एक प्रश्न - आंतरिक विकल्प सहित 20 अंक

पंचम इकाई

राजस्थानी साहित्य : आधुनिककाल - एक प्रश्न - आंतरिक विकल्प सहित 20 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. भाषा - विज्ञान : भोलानाथ तिवारी : किताब महल, दिल्ली
2. राजस्थानी भाषा : डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या: साहित्य संस्थान, उदयपुर
3. पुरानी राजस्थानी : एल.पी.टैस्सीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह
4. राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण : जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया प्रकाशक: राजस्थानी भाषा प्रचार सभा, जयपुर
5. राजस्थानी भाषा और साहित्य - एक परिचय: डॉ. मोतीलाल मेनारिया
6. राजस्थानी भाषा - एक परिचय : नरोत्तम दास स्वामी
7. राजस्थानी सबदकोस (प्रथम खण्ड) सं. सीताराम लालस प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
8. डिंगल साहित्य : डॉ. गोवर्द्धन शर्मा
9. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10. प्राचीन भारतीय लिपिमाला : गौरीशंकर हीराशंकर ओझा
11. राजस्थानी व्याकरण : नरोत्तमदास स्वामी
12. मारवाडी व्याकरण : रामकरण आसोपा
13. राजस्थानी व्याकरण : सीताराम लालस, राजस्थानी शोध सं.चौपासनी जोधपुर ।

चतुर्थ प्रश्न पत्र : राजस्थानी लोक साहित्य एवं संत साहित्य

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होगे :-

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होगें । प्रत्येक लघु प्रश्न का उतर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुऐ । कुल 10 प्रश्न होगें । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नो के उतर देने होगें । प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक: 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णात्मक होगें (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयो में से दिए जावेगे, किन्तु एक इकाई में एक से अधिक प्रश्न नही होगा । दो प्रश्नों के उतर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

अध्ययन क्षेत्र

1. लोक साहित्य के सन्दर्भ में लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्व, लोक मानस का स्वरूप एवं विशेषताएं
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं विधाओं के अनुसार वर्गीकरण
3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन एवं वर्गीकण के आधार
4. राजस्थानी लोक कथा लोकगीत, एवं लोकगाथा का विशिष्ट अध्ययन
5. राजस्थानी लोक देवी - देवताओं का परिचय
6. राजस्थान क प्रमुख संतों एवं संत सम्प्रदायों का परिचय

नोट :- इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नही किया गया है ।

अंक योजना 20x 5 = 100 **अंक**

प्रथम इकाई

लोक साहित्य : लोक एवं लोक मानस : परिचय, परिभाषा, लोकतत्व -एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित 20 अंक

द्वितीय इकाई

लोक साहित्य : सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण -एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

तृतीय इकाई

लोक कथा, लोक गीत, लोक गाथा, - एक प्रश्न -(आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक अंक

चतुर्थ इकाई

राजस्थानी लोक देवी-देवता - एक प्रश्न - (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

पंचम इकाई

राजस्थानी संत एवं सन्त सम्प्रदायों का परिचय - एक प्रश्न - (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

- राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्वान्तिक विवेचना : डॉ. सोहनदास चारण

- राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रव तियां : डॉ. महेन्द्र भानावत
- लोक साहित्य विज्ञान : डॉ. सत्येन्द्र
- लोक साहित्य की भूमिका : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
- भारतीय लोक वाड्मय : डॉ. श्याम परमार
- लोक धर्म : वासुदेवशरण अग्रवाल
- लोक साहित्य (व्याख्यान) : झवेरचन्द्र मेघाणी
- राजस्थान का लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता
- तेजाजी : डॉ. कन्हैयालाल सहल
- तेजाजी : डॉ. महेन्द्र भानावत
- मध्यकालीन भारतीय संस्कृति : गौरीशंकर हीराचन्द्र ओझा
- नाथ सम्प्रदाय : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी